अतार्किक इजराइल : युद्ध विराम का प्रस्ताव और हमास

द हिन्दू

पेपर- II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

सोमवार की शाम जब हमास ने कतर और मिस्र की मध्यस्थता वाले संघर्षविराम प्रस्ताव को स्वीकार करने का एलान किया, तो रफा में उल्लसित भीड़ इस उम्मीद में सड़कों पर उतर आयी कि आशंकित इजराइली हमला अब टल जायेगा। गाजा के दक्षिण में फौजी घेराबंदी से गुजर रहे इस कस्बे में 14 लाख से ज्यादा लोगों ने शरण ले रखी है। लेकिन उन्हें मिली मोहलत बहुत छोटी साबित हुई, क्योंकि इजराइल ने तुरंत कहा कि यह प्रस्ताव "उसकी मुख्य मांगों को पूरा नहीं करता"। इजराइल ने रफा से 1,00,000 से अधिक लोगों को हटाये जाने का एलान पहले ही कर दिया था। हमास के प्रस्ताव स्वीकार करने के एक दिन बाद, बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने रफा में टैंक भेज दिये और मिस्र से लगी बॉर्डर क्रॉसिंग के गाजा वाले हिस्से पर कब्जा कर लिया। अब, व्यावहारिक रूप से इजराइल का गाजा के सभी प्रवेश बिंदुओं पर नियंत्रण है और उनमें से ज्यादातर बंद हैं। गाजा के मौजूदा हालात को आपदा कहना नाकाफी होगा। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) सात अक्टूबर से लेकर अब तक चौंतीस हजार (34,000) से ज्यादा लोगों को मार चुके हैं। सतहत्तर हजार (77,000) से ज्यादा फिलिस्तीनी जख्मी हुए हैं और लगभग पूरा गाजा विस्थापित हो चुका है। इसके उत्तरी और मध्य हिस्से पहले ही रहने के काबिल नहीं बचे हैं। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का कहना है कि गाजा के "उत्तरी हिस्से में पूरी तरह अकाल की स्थिति" है, जबकि इस पूरे छींटमहल (इनक्लेव) में खाद्य संकट फैल चुका है। आईडीएफ सैनिकों की तैनाती वाले उत्तर और मध्य में लाखों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है, जो अब रफा के अस्थायी आश्रयों में रह रहे हैं। और इजराइली उनसे फिर यहां से हटने को कह रहे हैं।

पिछले सात अक्टूबर को जब इजराइल पर वीभत्स हमला हुआ, तो दुनिया ने इस यहूदी राष्ट्र के साथ एकजुटता दिखायी। लेकिन इजराइल ने तब से जिस तरीके से गाजा के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है, वह हमास द्वारा इजराइलियों के साथ किए गए करतूतों से अलग नहीं है। अपने ताकतवर पश्चिमी सहयोगियों की मदद से, नेतन्याहू की सरकार ने गाजा की पूरी आबादी को सामूहिक दंड देना शुरू कर दिया। लेकिन फिलिस्तीनियों के खिलाफ बेहिसाब ताकत के इस्तेमाल के बावजूद, इजराइल का सैन्य प्रदर्शन उससे कोसों दूर है जिसके लिए उसे दशकों पहले जाना जाता था। इजराइल न तो हमास को हरा पाने में कामयाब हुआ है, न ही बंधकों को रिहा करा पाने में। अगर नेतन्याहू रफा पर आक्रमण की योजना के साथ आगे बढ़ते हैं, तो वह भयानक गलती करेंगे। अगर युद्ध खत्म होता है, तो हो सकता है कि उन्हें अपने राजनीतिक कैरियर को लेकर चुनौतियों का सामना करना पड़े। लेकिन अगर यह युद्ध हमेशा के लिए चलता रहा और फिलिस्तीनियों का मारा जाना जारी रहा, तो इजराइली राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय रूप से और कमजोर पड़ जायेगा। वह पहले ही अलग-थलग पड़ चुका है और संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष न्यायालय में नस्लसंहार के मामले का सामना कर रहा है। इस मानवीय व राजनीतिक आपदा और नैतिक रसातल से बाहर निकलने का एकमात्र व्यावहारिक रास्ता यह है कि तुरंत एक संघर्षविराम पर रजामंदी बने और उसके तहत सभी बंधकों की रिहाई और आईडीएफ की वापसी हो। यहां तक कि हमास ख्र बिलाशक एक बेरहम आतंकी संगठन है, जो उन्हीं लोगों को तकलीफ में डालने से नहीं हिचकेगा जिनकी नुमाइंदगी का वह दावा करता है- ने भी एक समझौते पर दस्तखत करने की इच्छा दिखायी है। सवाल है कि नेतन्याहू तैयार हैं या नहीं।

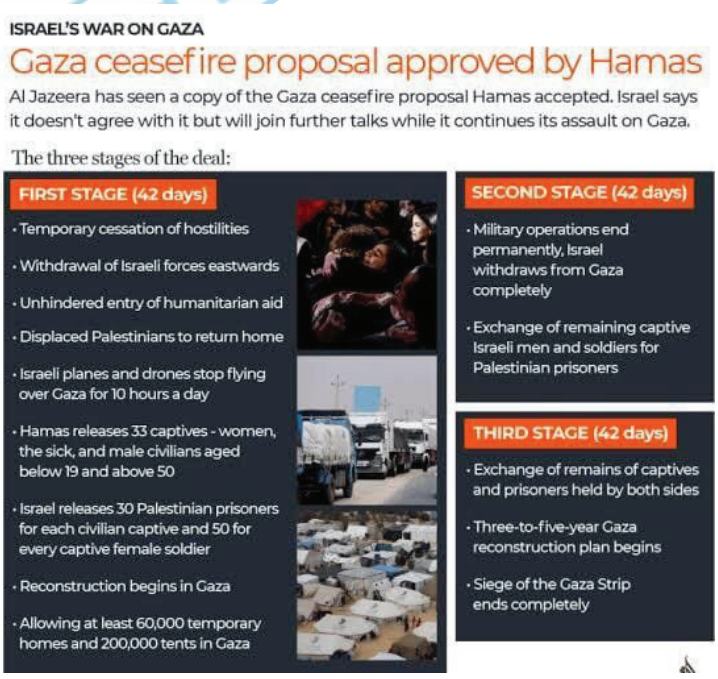

युद्ध विराम समझौता क्या है?

पहला चरण :

A. 42 दिनों का युद्धविराम, जिसके दौरान हमास 33 इजरायली बंधकों को जीवित या मृत मुक्त करेगा, बदले में इजरायल प्रत्येक रिहा किए गए इजरायली बंधक के लिए 30 बच्चों और महिलाओं को रिहा करेगा, जो हिरासत की शुरुआती तारीख के अनुसार हमास द्वारा प्रदान की गई सूचियों के आधार पर होगा।

B. पहले दिन से गहन और पर्याप्त मात्रा में मानवीय सहायता, राहत सामग्री और ईंधन के प्रवेश की अनुमति होगी। 50 ईंधन ट्रकों सहित, जिनमें से 300 उत्तरी गाजा के लिए होंगे, प्रति दिन कुल 600 ट्रक आएंगे।

C. हमास समझौते के तीसरे दिन तीन इजरायली बंधकों को रिहा करेगा, और फिर हर सात दिनों में तीन और बंधकों को रिहा करेगा, यदि संभव हो तो महिलाओं को प्राथमिकता देगा, जिनमें नागरिक और सिपाही भी शामिल हैं।

D. छठे सप्ताह में, हमास इस चरण के अंतर्गत आने वाले सभी शेष नागरिक बंधकों को रिहा कर देगा। इजराइल, इजरायली जेलों में बंद फिलीस्तीनी कैदियों की सहमत संख्या को रिहा करेगा।

E. इसके बाद इजराइल आंशिक रूप से गाजा से सेना हटा लेगा, और फिलिस्तीनियों को दक्षिण से उत्तरी गाजा तक मुक्त आवाजाही की अनुमति देगा।

F. गाजा पट्टी पर सैन्य उड़ानों की समाप्ति बंधकों और कैदियों को रिहा करने के दिन प्रति दिन 10 घंटे और 12 घंटे के लिए होगी।

चरण दो :

A. गाजा में 'स्थायी शांति' बहाल करने के समझौते के साथ अन्य 42 दिन।

B. गाजा से अधिकांश इजरायली सैनिकों की पूर्ण वापसी।

C. इजरायल द्वारा फिलिस्तीनियों को जेल से रिहा करने के बदले में हमास इजरायली आरक्षित सैनिकों और कुछ सैनिकों को रिहा करेगा।

चरण तीन :

A. गाजा पट्टी की नाकेबंदी खत्म होगी।

B. गाजा के पुनर्निर्माण के लिए 3-5 साल की योजना का कार्यान्वयन शुरू होगा। घरों, नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का पुनर्निर्माण किया जाएगा। मिस्र, कतर और संयुक्त राष्ट्र समेत कई देशों और संगठनों की निगरानी में प्रभावित सभी लोगों को मुआवजा दिया जाएगा।

प्रारंभिक परीक्षा के संभावित प्रश्न (Prelims Expected Question)

प्रश्न : इजरायल-हमास संघर्ष विराम प्रस्ताव के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. इसमें कतर और मिस्र मध्यस्थता कर रहे हैं।
2. इजरायल और हमास दोनों ने इसको अस्वीकार कर दिया है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

Que. Consider the following statements with reference to the Israel-Hamas ceasefire proposal:

1. Qatar and Egypt are mediating in this.
2. Both Israel and Hamas have rejected it.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1
(b) Only 2
(c) Both 1 and 2
(d) Neither 1 and nor 2

उत्तर : A

मुख्य परीक्षा के संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न: इजरायल हमास युद्ध विराम समझौता क्या है? इजरायल और हमास के इसपर रुख की चर्चा कीजिए।

उत्तर का दृष्टिकोण :

- उत्तर के पहले भाग में इजरायल हमास युद्ध विराम समझौता के प्रमुख प्रावधानों की चर्चा कीजिए।
- दूसरे भाग में इजरायल और हमास के इसपर रुख की चर्चा कीजिए।
- अंत में अपने सुझाव देते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।